GAEKWAD'S ORIENTAL SERIES

Published under the Authority of the Government of His Highness the Maharaja Gaekwad of Baroda,

B BHATTACHARYYA, M. A., PH D.
Réjaratna

No. LIV

जयाख्यसंहिता

F Creation and Uploading by: iri Parshad Das (HPD) 114 January 2014.

विषयानु कमणी-

विषया: पत्रसङ्ख्या

पटलः (१).

शास्त्रावतरणम्	****	****	1 19"
निःश्रेयसालाभान्महर्षीणां निर्वेदः	***	****	7
असति परतत्त्वज्ञाने निःश्रेयसस्य दुर्लभता		****	7
परतत्त्वविवेचनम्	****	***	8
परतत्त्वाधिगमोपायजिज्ञासया शाण्डिस्य प्रत्या	मेगमनम्	****	3
मगवत्तत्त्वतदाराधनप्रकारप्रश्नः	**		8
जयाख्यस्यास्य शास्त्रस्य प्रवृत्तिकमः	* * *	****	8
श्रद्धापूर्वकमुपसन्नस्यैव शास्त्रोपदेशपात्रता	****	**	9
शास्त्राधींपदेशकस्य गुरोमिहिमा, तद्भक्तेः श्रेयः	साधनत्वं च		ę
अस्य शास्त्रस्यारम्भकाल-प्रवर्तकपुरुषविशेष-अ		नेह्रपणम्	9
पटलः ((२).		
ब्रह्मसर्गाख्यानम्	****	***	16-58
नारदकृता भगवत्स्तुतिः		****	19-70
सृष्टिप्रलयकालभेदनिरूपणम्	****	****	35
नामिकमलाचतुर्मुखसृष्टिः		****	28
चतुर्मुखेन रजोगुणयोगेन कृता विविधसृष्टि.			23
मधुकैटमासुरयोरुत्पत्तिः, ताभ्या कृतः सर्वलो	कविजयः	****	77-73
तत्कृतवेदापहरणेनाधर्माभिवृद्धिः	****		73
मुनिभि: कृत चतुर्मुखस्योद्वोधनम्	***	****	73
मुनिभिरुद्वोधितेन चतुर्मुखेन कृता मगवतः	स्तुतिः	turn.	२३
भगवता कृतमभयदानम्	+++1	***	38
भगवता कृत वेदानामुद्धरणम्	****	***	28
भगवदनुप्रवेशाचनुर्मुखस्य वेदावधारणम्			38
मधुकैटमनिरसनम्	****	****	58
मेदिनीशब्दिनविचनम्	***	***	28

[7			
विषयाः	(3)		पत्रसङ्ख्या
पटलः	(२).		
याधानिकसर्गनिरूपणम्	****		२9२७
गुणत्रयमयात् प्रधानात् महदादितत्त्वानामुत्पा	d:	****	50
चेतनानधिष्ठितयोर्जडयोर्मियो हेतुहेतुमद्भावानु	ग्पत्तिशङ्का		39-98
निदर्शननिरूपणमुखेन तदाशङ्कानिवारणम्	****	****	38
अचेतनस्य चेतनकार्ययोगोपपादनम्	****		38
चिदचितोः सयोगे वियोगे च हेत्पपादनम्	***	****	₹₹—₹७
पटला ((8).		
श्रद्धसर्गाख्यानम्	****	****	₹७-३८
परस्माद्रहाणो वासुदेवात्परमेश्वरादच्युतादीनां ऽ	गादुर्माव.	****	75-09
पुरुषान्मनाऽऽविभूतस्य वासुदेवस्य सर्वान्तर्याः	मेल सर्वावताः	(मूलस्वं च	24
पुरुपसत्याच्युतानामुत्तरोत्तरमभिन्नाना वासुदेवे			25
चिन्मयस्य वासुदेवस्य ततः प्रादुर्भूताना सत्य	दीना चामिक	तानिरूपणम्	95-79
स्थृलस्क्ष्मपरात्मना परव्रव्याख्रेधा स्थितिः	1001	1004	79
मोगमोक्षहेतुभूताया मन्त्ररूपाया मूर्ते. सकर्छा	नेष्कलात्मना	द्धेधाऽवस्थितिः	30
मन्त्रतद्वीयीदिज्ञानस्य ब्रह्मज्ञानमूलकत्वेन ब्रह्मज्ञ	ानस्यावश्यं स	तंपादनीयता	20
ब्रानस्य त्रियाख्यसत्ताख्यभेदेन द्वैविध्यम्, तत्र	क्रियाख्यस्य स	सत्ताख्ये हेतुता	31
कियास्यस्य यमनियमभेदेन दैविध्यम्		***	38
सत्ताद्व्यझानात् त्रक्षोपसपत्तिहेतुभूतझानोत्पत्तिः	****	***	23
ब्रह्मामिन्न त्वप्रकारोपपादनम्		-	29
अ विद्यासम्पनिरूपणम्	8404	****	27
आत्मस्वरूपनिरूपणम्	****	****	. ३२
बद्धस्वरूपनिरूपणम्			99
सनिदर्शनमुपासकाना ब्रह्मसपित्तिनिरूपणम्	****		20
पटलः ((q).		
ब्रह्मज्ञानोत्पत्त्यारूयानम्	****	****	3<88
झानस्य योगाम्यासैकङम्यता		****	₹<
भगवच्छक्तिसामर्थ्यादात्मस्बरूपजिज्ञासोदयः	•••		16
विविदिषयोपसन्नस्य शिष्यस्य यथाधिकारमुपाये	नियोज्यता		38

[3]

	Į,	7.1		
विषया				पत्रसङ्ख्या
मन्त्राराधने प्रवृत्तस्य ज्ञानोदय	प्रकारः	****		46
त्रकाणो दुरक्योधत्वम्		****	****	39
मन्त्रोपासनस्य सुकरोपायत्वम्			****	26
	पटल	:(4).		
मु ल्यमञ्जोद्धारः		****	**	84-40
मातुकापीठपरिकस्पना		****	***	8 6
अष्टवर्गात्मनाऽवस्थितेषु अकार	ादिक्षकारान्ते	षु वर्णेषु विमान्य	गे भगवतः	
स्थितिमेद:		****		83
अक्षराणां भगवन्मातृकादेहत्वेन	विभाव्यता		**	85
वर्णमातृकायाः स्वविग्रहे न्यास		****	****	83
मातृकाचकोद्यारकमः		****	****	83
मातृकापूजनप्रकारः		****	1000	88
अकाराचक्षराणा संज्ञामेदः				83-89
म्ख्यन्त्रोद्वारः			****	89-88
म्ल्यन्त्रमहिमा		****	100	88
म्लमन्त्रप्रतिपाद्यदेवताष्यानम्		****	****	88
छक्ष्म्यादीना मगवत्त्वरूपे निव्यस		स्वरूपस्वभावनि	रूपण च	80
छक् यादीनां च्यानप्रकारः		****	****	80
लक्ष्मीमन्त्रः		****		8 <
कीर्तिमन्त्रः	****	1001	****	8 <
जयामन्त्रः	****			85
मायामन्त्रः		****	****	86
त्मन्त्र:	****		****	86
विवोगनः	****	****	****	86
शिलामन्त्रः	****	8940	****	
क्षचसन्त्रः		****	****	90
तेत्रमन्त्रः	****	****	****	90
सहामन्त्रः	****	****	****	90
	****	200	* 8.6	98
गृसिंहाचास्यत्रयेषु नृसिंहमन्त्रः	****	9640	****	98

	Γ	8		
विषया*		,		पनस त्र था
कापिलमन्त्रः		****	474	93
वराह्मन्त्रः		****	2000	95
कौस्तुममन्त्रः	****	****	****	99
मालामन्त्रः	****		****	98
पद्मसन्त्रः	****	***	****	93
राह्ममन्त्रः	****	**	3500	93
चक्रमन्त्रः	***	6.0	***	98
गदामन्त्र:	****	****	****	98
गरुडमन्त्रः	** *	* *	****	48
पाशमन्त्रः	****	****	**	35
अङ्करामन्त्रः	***	****	***	99
उपाद्भपञ्चकमन्त्राः	***	P 9 4 \$	***	99-98
मूलमन्त्रपूर्वावयवभूतानिष्कला	शस्य परमन्त्रले	वोषपाद नम्	****	98-90
सविन्मयात्परतरान्मनत्राणां प्र			****	90
व्यापकमन्त्रा निरू पणम्		***	****	90
अविकारस्य व्यापकस्य परस्य	ब्रह्मणो मन्त्रहे	हत्वानुपपरयाशङ्क	।परिहरणम्	96
स्थु उस् क्मो भयात्मकस्य ज्यक्	रस्य परमन्त्रस	य प्रभाववर्णनम्	****	99
	पटर	5: (v).		
उपकरणगन्त्रोद्धारः			** *	80-88
आधारशक्तिमन्त्रः	****	****	***	80
क्मेमन्त्रः, तद्वधानम्	****	1944	+++	80
अनन्तमन्त्रः, तद्भगनम्				60
धरामन्त्रः, तद्भणनम्		** *		13
क्षीरोदमन्त्रः, तद्धवानम्		1040	** *	88
प्रमन्त्रः, तद्वचानम्	040	****	****	63
धर्माद्यासनमन्त्राः	***	****	2000	68-63
सिलपश्चमन्त्रः	***	****	****	43
धामत्रयमन्त्राः	****	4.8	***	88
मावास नमन्त्रः	4004	-		99

विषया:		-		पनसङ्ख्या
क्षेत्रपालमन्त्रः, तद्भधानम्		****	**	88
%यादीनां पद्मनिष्यन्ताना मन	त्राः, तद्धचान	म्	****	\$3-63
गणेशमन्त्रः, तद्धशनम्		****	****	\$ 3
मत्स्यमुद्रा	* *	***	****	83
वागीश्वरीमन्त्रः	****	****	,	\$8
वागीश्वर्या ध्यानम्		***	****	\$8
गुरुपरमगुर्वादिमन्त्राः	***		**	\$8
पितृमन्त्रः	***	***		89
पूर्वसिद्धमन्त्रः		***	2000	89
वजादिकोकेशायुषमन्त्राः		****	****	88
विष्यक्सेनमन्त्रः	2000	****		28-80
आवाहनाद्यौपचारिकमन्त्रपश्चय	तम् .	****		80-81
सुरामिमन्त्रः	***	****		8 < 88
मन्त्राणा गोपनीयता	****	****	****	88
मन्त्राणामपात्रे विनियोगस्यान	र्थावहता		** *	19
	पटल	(6).		
मुद्रादन्धनि रूपणम्	****	****		१९७ ९
मुद्राबन्धकालः तत्प्रयोजन व	T	****	****	90
जयामुद्रा	****	****	***	90
शक्तिमुद्रा	****	***	****	90
हृद्यमुद्रा	****		****	90
शिरोमुदा		•••	****	00
शिखामुद्रा	****	****	***	9
कवचमुदा		****	****	98
नेत्रमुद्रा		****	***	68
असमुद्रा		****	***	90
सिहमुद्रा		****		90
कपिलमुदा		****	****	७२
क्रोडमुदा	****	****	****	90

[]

विषया:				United States
				पत्रसङ्ख्या
कौस्तुममुद्रा		4141		99
मालामुद्रा	1000		• • •	50
प्यमुदा			****	66
शङ्क्तमुद्रा	****	0400	40.00	५२
चक्रमुद्रा	4 **	9000	4 + 4 +	७३
गदामुदा	1444		1000	60
पक्षिराजमुद्रा	****			9
पाशमुद्रा	*** *		24.00	७ ३
अकु रामुद्रा	1000	9444	****	100
सत्यादिमुद्राध्यकम्	****	****	***	68
महाजयामुद्रा	****	****	****	98
आधारशक्तिगुदा कूर्मगुदा च	****		****	98
अनन्तासनमुद्रा	***	1444	****	98
पृथिवीसुद्रा		***	****	90
समुद्रमुद्रा	4111		4000	199
धर्मादिचतुष्टयमुद्धा	****	****		199
धामत्रयमुद्धा			****	98
हसमुद्रा	****	****		७१
क्षेत्रेशमुद्रा	****	1000	****	30
श्रीमुदा	****	***		90
चण्डमुद्रा	****	***		30
प्रचण्डमुद्रा	***	****	****	७१
जयमुद्रा		***	****	90
विचयमुद्रा	****	***	***	७१
गानुभुद्रा	****	***		७६
यामुनसुद्धा	****	4400	***	७७
शङ्कानिविमुद्रा	****	****	****	৬৬
पद्मिनिधिसुद्रा	****	****	****	99
गणेशमुद्रा	***	****	****	७७
वागीश्वरीमुद्रा	4000		-401	99

6	L	. 1		COMPANIES STATE
विषयाः				पत्रसङ्ख्या
गुरुमुद्रा	4 4 4	***	****	७७
पितृगणमुद्रा	****	***	****	64
सिद्धसुद्रा	****	****	****	96
वरामयमुद्रे	4000		****	96
विष्वक्सेनमुदा	***	****	****	96
आवाहनमुद्रा	***	****		96
विसर्जनमुद्रा	****	***	****	96
सुरभिमुद्रा	***	444	****	96
	पटल	: (9).		
स्नानविधानम्		****	****	ام دم
शौचविधिः		** *	****	७९—८०
स्नानार्थ मृत्सङ्कृहणम्		****	****	(0
छौकिकस्नानम्		***	****	<0
औदकं विधिस्तानम्		****	****	<0<8
मन्त्रस्नानम्		****		<8
<u>घ्यानस्नानम्</u>			****	<8
	पटल:	(? 0).		
सयाधिरूयापनम्		****		(9-98
भ्यानार्थे निर्जनस्थानं प्रति	गन्तव्यता	****	***	<9
स्थानप्राप्तिसमये कर्तव्याः	T:	bear	****	<9
दर्भाद्यासनविकल्पः		****	****	<9
आचार्यपरम्परानुसमरणम्		1000	****	<9
आसनग्रुद्धिः		****	****	<\$
करग्रुद्धिः		****	****	< 8
स्थानशुद्धेरक्स्यकर्तव्यता		****	****	< ₹
पृथिन्यादिभूतानां बीजमन	त्रा:	****	****	(\$
पृथिव्यादिभूतानां देवताः		****	****	(9
पृथिव्यादिभूतानां स्वस्वक			***	<0<9
गन्धादिशक्तिचतुष्टयलयास	नद्भूतायाः शब्दः	शक्तेर्निष्क ेऽनुप्र वे	शभावनम्	(8
				-

विषयाः	- 1		
जांबस्य स्थूखदेहतो बहिर्निर्गस्य परे मन्त्र	मुत्री प्रभाचकविद्	ोषावस्थित <u>े</u>	पनस्या
परमात्मनि विश्रान्तत्वेन भावना	***		60
स्यूळदेहस्य मन्त्रजन्याप्रिना दहनमावनम्	****		9.8
इच्छान्निमन्त्रः	****		99
मस्मी मूतः विभावनम्	****	****	31
शान्ताप्रिमन्त्रः		****	91
मस्भीभूततया भाविनस्य ध्यानसमुद्भृतसिछेछे	नाष्ट्रावनभावना		68
समाप्रायनमन्त्रः	****	****	88
अपूर्वतेजोमयाजरामरणशरीरसृष्टिभावनाक्रमः	****	***	97-99
सृष्टतया माविते तेजोमये मान्त्रे शरीरे जीव		2104	
आत्ममन्त्रः			65
स्वदेहस्य नन्त्रमयतापादनम्		* * *	99
		***	65
पटलः (\$ ()		
मन्त्रन्यासविधिः	****	****	99-98
आसन परिकल्पनम्			93
प्राकारपरिकल्पनम्		****	93
न्यासप्रयोजनम्	P 0 11	4.0	98
इस्तन्यासः	844	4.44	98
देइन्यासाद्दस्तन्यासस्य प्राथम्ये कारणम्	****		99
देहन्यासः		****	29
तत्तन्मुद्राप्रदर्शनम्	****		९६
साधकेन कर्तव्यध्यानप्रकारः	,	****	6.8
7777	921		-14
पटलः (77.)		
मानसयागविधिः		e	309-0
मानसयागोपकमे अनयवविमागराः स्थानमेदेन	आधारशक्यादिएव	गन्ताना	
कल्पनाप्रकारः			29
पग्रस्योपरि पीठपरिकल्पनम्	***	200	90
तस्य पाठस्य चर्मादिषाढशपादपरिकल्पनम्	***	****	90
धर्मादिपीठस्योपिर सितकमछाद्यासनपञ्चकस्य आ	नाभिहृदयान्तमुप्र्	परि कल्पन	प्रकारः ९८

	I	. 7.1		
विषया*				पत्रसङ्ख्या
था धारशक्तिप्रमृतिपक्षिराजान्ते	चेकादशपदे!	षु मृतपञ्चकप्रमृतीश्वरप	यन्तानां	
तत्त्वाना ऋमाव्यातिः			***	९८
मन्त्रात्परतरात्मना, परसूक्ष्मोमय	गत्मनाऽवस्	यतमन्त्रात्मना, स्थूळात्म	ना च	
ऋमशो विष्णोध्यानिव	वानम्	4414	****	९८९९
मन्त्रमूर्तेस्तस्य विष्णोः प्रभावव	र्णनम्	****	****	68
लक्ष्म्यादिभिः सद्देव तस्य पूज्यत	र्ग -	-24		९९
भगवन्छक्तिभूतानां एक्ष्म्यादीन	विम्झानाद्य	ष्टकप्रयोजकत्वम्	****	९९
इत्पुण्डरीकमध्येऽवस्थापितस्य	मन्त्रात्मनः	परस्य चैतन्थजोतिषो वि	वेष्णोः	
प्रभाविशेषस्योपासकश				800
पृथिव्यादिषूपळभ्यमानाना स्थैय	दिगुणाना	मन्त्रमूर्ति मूतपरमाहमैका	श्रयत्वम्	100
मुद्रामन्त्रपूर्वकमावाहनम्	****	0000	****	808
आवाहितस्य तस्य समुखीकरण	म्		***	808
विस्तरेण मानसयागारम्भः	***			909
लक्ष्म्यादिपूजने लययाग-भोगय	ाग—अधिक	ारयागमेदेन त्रैविध्यम्		809-809
मोगयागार्थ इत्पद्मे सर्वमन्त्राणां	विन्यासक	н:	****	803
विशेषपूजनम्		***	****	809
मानसहोमाविधानम्	****	***	2400	309-808
	पदल:	(१३).		
बा श्चयागविधिः	***	***		999-009
वाद्ययागप्रयोजनम्	***	****	2400	800
मण्डलविन्यातः	****		ter	306-106
मण्डले प्रकारमेदः फलमेदश्च	****	****	****	909
कुम्मादीनामपि बाह्ययागप्रदेशत	वविधानम्	***	****	199-099
अर्घ्यद्रव्याणि	****	***		2 8 8
अर्घस्य विनियोगक्रमः	****	***	***	275
द्वारपूजा	****	***	***	199
द्वारदेवतापूजा	***	***		११२
यागमन्दिरप्रवेशविधिः	****	4.4 = 4	****	283
पूजाङ्गभूतावेक्षणप्रोक्षणे	****	4000		883
आधारश क्त याद्यासनकल्पनतत्यू ज	नप्रकारः	***	****	8 8 8

[{ 0 }

विषया				पत्रसङ्ख था
गणेशादिपूजनम्	4101	1444	****	815
मानसयागे हृदयक्तमले स्थापि	ति मन्त्रमृर्ति	भगवन्त तत्तोऽवतार्य	प्रथमं	
तस्य बहिर्खययागोत्त	विधिना पूज	नविध नम्	***	558
भोगयागार्थ मण्डले मन्त्रन्या	सविधिः	6.4	4444	289
हरमन्त्रध्यानम्		** *		228
शिरोमन्त्रध्यानम्	144			११७
शिखामन्त्रनानम्		1401	***	270
म यचमन्त्रध्यानम्			4##1	११७
नेत्रमन्त्रध्यानम्			***	११७
अञ्चमन्त्रध्यानम्	**	1,000		११७
नृ।सिहमन्त्रध्यानम्	***	** *	***1	११८
कविलमन्त्रध्यानम्	***4		****	११८
वराहमन्त्रध्यानम्	101			188
कौस्तुभादिभन्त्रध्यानम्	****	**	,,	111
गरुडच्य नम्	****	***		236
पाशाङ्कु शये।ध्यीनम्	***		***	११९
सत्यादिपञ्चकच्यानम्	***		4001	११९
सप्तासरमन्त्रध्यानम्	**4		9964	११९
न्यसन्त्रमेण मन्त्रगणस्य बार	ग्रयजनम्	4	****	१२०
पुष्पाञ्च डिप्रकारः	****	****		१२०
धूरपात्रविधिः	****	****	****	१२१
धूपपात्रमन्त्र िवानम्	***		12.4	१२१
घण्टाचालनविधानम्	***	**	1000	१२२
घण्टानादप्रभाववर्णनम्	1000	***		१२२
मन्त्रशब्दनिरुक्तिः	400	6 84 1	****	888
आवाहनाद्युपचारेषु वण्टाचा	ल नस्य कर्तञ	यता		१२२
पुजाकाछाद्रयत्र वण्टाचाछन	म्प्रतिषेधः	****	**	१२३
घण्टामन्त्रनिह्नपणम्		9444	****	१२३
वण्टाध्यानप्रकारः	****	****	****	१२३
रुक्ष्यादिमन्त्राण।मभ्यर्चनम्	****	****	****	198
				_

[? ?]

	Γ.	3 4		
विषया:				पत्रसङ्ग्रह
स्तुतिविधानम्	***	****		658
मधुपर्कादिसमर्पणप्रकारः		***		१२४
बाह्ययागपरिसमापनप्रकारः		***	**	878
	पटलः	(\$8)		
जपविधिः	****		****	179-179
जपस्य त्रैविच्यम्		* * *		१२५
अक्षसूत्रे संयोज्याना मणीना	परिमाणसङ्ग्र	।द्रव्यमेद _ि यानम्	****	१२९
मणीना क्षाळनप्रकारः	4	* *		१२६
मणिप्रथनार्थं सूत्रविशेषविधान	q		***	198
सूत्रे मणीना योजनप्रकारः	**	***	****	१२६
अश्वसूत्रस्य बळ्याकारताविधान	म्	B # *	****	१२७
अक्षसूत्रे मेरुकल्पनिषिः	****	***	***	१२७
अ श्वसूत्रसशोधनविधानम्	***	***	****	१२७
अक्षस्त्रमन्त्र.	***			१२७
वैष्णव्याः परशक्तेरक्षसूत्रे माव	। नाक्रमाविधान	म्		276
अक्षसूत्रमुद्रा	**			१२९
जपात् प्राक् कर्तव्योऽनुसन्धाः	नविशेषः	***	****	१२९
जाप्रदादि मेदनिरूपणम्		***	***	१३०
अक्षसूत्रे मन्त्रमूर्तेः सानिध्यत्र	मभावनम्		4111	\$ ₹0
जपसङ्ख्यासिद्धवर्थमक्षाणामेकैव	६ समाहरणवि	विधानम्		830
मेरोर्छङ्ख नप्रतिषेधः	***			175
शान्तिकपौष्टिकादिनिमित्तमेदे	न भि त्र भित्रह	पतया मन्त्रस्य ध्यान	विधानम्	838
परापरमदेन जपस्य द्वैविध्यम्		400	***	131
अधिकारिणा सत्त्वादिगुणभेदे	न जपकालमे	दः		१३२
अक्षसूत्रस्य पुनर्न वीकरण-प्रान			4++	१२२
	पटल	(24)		
अग्निकार्यविधिः		****	477.5	127-198
कुण्डपरिकल्पनविधानारंभः		****	***	8 7 3
दिरमेदेन कुण्डाना फलमेदाव	इता	ba##	****	१३३

[११]

F 3.	· 4		formations.
विपया: -			पश्चसङ्ख्या
साहातिसङ्ख्यामेदेन कुण्डाना मानमेदः	9714	••••	183
खातमानम	100	****	\$ \$ 8
कुण्डमानभेदेन मेखळाना मानभेदः	***		£ \$ 8
नाभिन्धागम्	****	****	\$ \$ 8
कुण्डाना विकल्पः	adea	***	189
कुण्डे हवनस्य प्राशस्यम्	**	** *	849
कुण्डस्यासभवे इवनप्रकारः	Epco	****	१३ 9
कुण्डसस्कारप्रकारः	***	****	\$\$9-838
नाभिपूजनम्		***	138
मेखछापूजनम्	40.0	929	१३६
मेखलात्रये तत्त्वत्रयपूजनम्	***	***	१३६
कुण्डमध्ये आधारशक्त्याद्यासनकल्पनापूर्वक	नारायणाल्यायाः	शक्तेः	
स्थापनाप्रकारः ।	yka, 4 mi	1000	१३६
वहेरुत्पादनऋमः			१ ३ ७
ताडनप्रोक्षणादयोऽम्नेर्वाद्याः सस्काराः	***	**	१३७
अग्नेः स्वारमन्युपरामापादनपूर्वक सृष्टिकमेण प	दात्पदमवतारितस्य	नामिग	
तत्वचिन्तनम्	7004	****	₹₹७
नामिकुण्डस्थतया मात्रिते तेजीविशेषे होमऋ	मः	** *	१३७
तस्याप्रेनीभिकुण्डादुत्यापनम्	***	****	१३८
अग्रे मेन्त्रः	***	*171	186
नामिकुण्डादुत्थापितस्याग्नेर्बाद्योऽग्नौ प्रक्षेपः		****	१३८
पर्यक्रिकरणपरिस्तरणे		***	१३८
प्रणीतापात्रेध्मसुक्सवायुपकरणद्रन्यासादनम्	4+++	****	१३९
प रिधिविधानम्	****	****	१३९
ब्रह्मादिलोकपालार्चनम्	***	*-4-	? ३९
सुक्सुवयोः सस्कारः	8944	****	१ ६८
स्नुक्सुक्योर्रक्षणम्	B 64 0	****	१३९-१४०
कुण्डमध्यगतस्याग्नेर्गर्भाधानादिसंस्कारदशकस	ग कुण्डाद्वहिः स्थस्य	भ्रेः	
प्रोक्षणादिसस्कारपञ्चकस्य च कर्तव्य	ता		१८१

[{%]

विषया			पत्रसङ्ख्या
आज्यस्याधिश्रयणादि दशविधसस्तारविधान	ц	१३	889-98
अप्नेर्गर्भाधानादिद्शविधसस्काराणां प्रत्येक र्व	नेरूपणम्	११	3 4-6 8 8
सस्कृतस्याग्नेनीरायणात्मकत्वेन मावनीयता	****		१४३
संस्कृतस्थाग्नेः पूजनप्रकारः	8444	***	१४व
वहेर्घ्यानप्रकारः	***	***	\$80
व्योमवद्यापकतया मानितस्याग्रेमेध्ये भगवतः	यजनम्	****	889
अस्रादियजनम्	****	****	189
लक्ष्म्यादीना होमसङ्ख्याविधानम्	643	444	१४६
जपानुगुण्येन होमस्य कर्तन्यता		****	१४६
होमद्रव्यनिरूपणम्		4+4+	₹ 8 €
होमद्रव्यमेदेन फलमेदः	****	***	186
धा हुतिप्रमाणभेदः	4000		186
स्वाहाकारादिप्रयोगभेदे निमित्तमेदनिरूपणम	4000		१४७
पूर्णोद्वतिप्रकारः	*441	***	\$86
अप्नेर्वणीदिमेदैः कर्मसिद्धेर्ज्ञातव्यता		****	886
होमे प्रशस्तोऽग्निः	***	npò	१४९
होमे धर्ज्योऽग्निः	***		1 86
तिथिभेदेन फलमेदः			190
प्रमाद्यर्चिःसमके ऋमादेकैकस्मिस्तर्पितस्य मन	त्रस्य फलमेदः	****	190
अ भि मुद्रा	****	1000	890
मण्डले विन्यस्तस्य मन्त्रमूर्तेर्मगवतो मूर्घनि पुष	गञ्जलिसमर्पणपूर्व वं	प्रार्थनाप्रकारः	393
मण्डले स्थापिताना मन्त्राणामुवसंहरणप्रकारां			१-१९२
उपसहरणानन्तर दीक्षितेभ्यो नैवेखप्रदानस्य			१९२
मूलमन्त्राम्यचेने विनियुक्तैः पुष्पाद्युपकरणैर्विष्ट			१५२
कुण्डे विष्वक्सेनस्य सन्तर्पणप्रकारः			199
विष्वक्सेनविसर्जनम्	***		193
लोकपालानां पूजनविसर्जने	***	***	?93
क्षेत्रपालादीना यजनम्	465		1943
वहेस्तर्पणप्रकारः	4444	****	898
भग्नेः परिचेचनम्	****	****	१५३
*	***		1 1 4

[48]

	/ · J		
विषया			पत्रसङ्ख्या
नैवेद्यादीना तोये प्रक्षेपविधानम्		****	848
निर्माष्टर्श्यप्रलेपनादि	403		868
मन्त्रसन्तर्पणकामस्य पात्र एवोपदेश्यत।	***		868
पटल:	(8 8)		
दीक्षाविधिः	***	***	198-168
आत्यानात्यमेदेन दीक्षाविधी मेदः			848
उपसन्नस्याक्त्य दाँद्रस्येतन्त्र्यता			899
स्थृलस्क्ष्मपरात्मनाऽवस्थितेषु तस्वेष्वच्युतर	य त्रेधा व्याप्तिः	****	899
स्थ्लस्क्षपरात्मना मन्त्रराशेख्नैविष्यम्	** *	4+4+	899
स्थ्लावेकेकमन्त्रराशौ स्थ्लस्स्मपरात्मना है	विध्यम्	***	898
मन्त्रसङ्गस्य तत्त्वसङ्खे सक्षेपमध्यमविस्तारात	मकदोक्षात्रैविध्या <u>न</u> ुगुप	Ţ	
ने वाऽवस्थान निरूपणम्	2011	****	१५६
अधिभूतगणाभिदैवगणाध्यातमगणविभागः	941	****	240
तस्वशोधने ज्यक्षरस्य विनियोगभेदः			396
ईश्वरतत्त्वसशोधने सप्तार्णस्य विनियोगः	44 -	744	896
शिष्यलक्षणपरीक्षणपूर्वकं शिष्याणा दाक्षित	व्यता	****	396
सामान्यदीक्षायाः सक्षिप्तादिमेदेन त्रैविध्यम्	** *	****	196
सक्षिप्तादित्रयस्य फलमेदः	* * *		199
विशेषदीक्षायाः पञ्चविधत्यम्	***	****	१५९
सामान्यदाक्षासु शुद्धवर्धस्तले मन्त्रसयोजन		****	898
विशेषशीक्षामु तत्त्वेषु मन्त्राणा योजनप्रका		****	१६०
दीक्षासु प्रशस्तास्तिथयः			848
यागशालाप्रवेशः			
गदास्यापनम्		****	\$65.
पन्नगन्येन सर्वद्रन्यप्रोक्षणम्	****	4	135
कलशिषिः	***		199
	H (P th A	****	१६२
स्थिष्डले अनौ च हरेर्यजनविधानम्	ψ = 4 p	****	१६२
चरुसाधनप्रकारः	* * *	****	888
सिद्धस्य चरोर्विनियोगविधानम्	** *	****	183
शिष्याणां प्रोक्षणादिविधानम्	***		१६२

[14]

विषयाः			पत्रसञ्ज्ञ पा
शिष्ये गुरुणा कर्तव्यस्य सकलनिष्कलमन्त्राणा			१६४
स्वस्य शिष्यस्य चैकाःमतया मावनासमर्थस्यैव गुरं	तेः ससारविमे	चिकता ,.	1 8 8
मन्त्रमृर्तेर्भगवतः पुरतो विज्ञापनम्	4499		१६४
शिष्यस्य नामकरणविधानम्	****	4001	148
गायास् त्रविक्षनम्	• • •		189
मोगमोक्षार्थिनः शिष्यस्य तदन्तरायोन्मूङनार्थं हि	शेष्यशरीरतय	रा भाविते	
सूत्रे तरवसृष्टिकमेग शिखाप्रशृतिचरप	गह्तावयवभ	वनापूर्वक	
होमस्य कर्तव्यताविधानम्	****		१६५
सूत्र कुण्डसमीप नीवा तस्मिन् सूत्रतमके देहे त	त्त्रानां सक्षेप	विस्ताराभ्या	
र्वेंक्तेकद्वित्र्यादिग्रय न प्रकारविकल्पानुगु	ण स्मरणप्र	ामः	१६६− १६७
तत्त्वहोमः	****	** *	१६७-१६८
सपातहोमः	***	***	१६९
रजोघटिकाकर्तर्थां युपकरणद्रव्याणा सस्कारः			188
बिहरणम्		***	१६९
परिखाटेखनम्	****	**	१६९
पञ्चगभ्यप्रदानम्			188
चरशेष मक्षणविधिः		***	१७०
दन्तकाष्ठचर्वणप्रक्षेपणादि		***	100
अधिकारिमेदेन दन्तकाष्ठपरिमाणभेदः	****		100
शुमाशुमपरिज्ञानम्	****		\$ 190
सञ्जमशान्त्यर्थो होमः	**	40	100
श्यनाविधिः	ames	9440	\$ 90
स्वप्नाधिपातिमन्त्रः	**		१७१
अर्घरात्रे सयनादुत्याय गुरुणा कर्तव्यो विशेषः	P###	***	१७१
शुमाशुमस्वप्रभेद।निरूपणम्	****	***	909
अञ्चभस्वप्रदोषपरिहाराय होमविधानम्	****	1.14	१७२
न्यूनातिरिक्तप्रायश्वितार्थ होमविधानम्	***	***	१७२
मण्डलपुजनादिकर्तव्यताविधानम्	****	***	१७२
आबद्धनेत्राणा शिष्याणा हस्ततः पुष्पाङाळेप्रक्षेप	विम्		१७२
उद्घाटितनेत्रैः शिष्यैर्गुरुनमस्कारादेः कर्तन्यता	****	1101	909

[14]

विषया:	F 14.7		पत्रसङ्ख्या
सन्त्रतृतिहोमः			909
मन्त्राधिकारहोमः सन्त्राधिकारहोमः	***		909
मलशोधनहोम:	••		\$0\$
नवतत्त्वशोधनेन सर्वतत्त्वानां शुद्धता	***	****	\$0 °
बही भाविते मन्त्रमयमृतिस्वरूपे तत्त्र	नामुपसइरणप्रकार	****	108
निरीक्षणप्रोक्षणादिलक्षणः शिष्यशरीर		****	₹७8
तस्वाना सृष्टिभावनम्		***	108
अनुज्ञाग्रहणपूर्वक पाशसूत्रस्य कुण्डसः	रोपे नयनम्	***	108
मूलमन्त्रेण होमः			\$ 198
ताडनलक्षण शिष्यशरीरशुद्धीकरणम्		***	209
तस्वाना शोधनप्रकारः	***	****	109
मोगार्थपूर्णाहुतिप्रकारनिरूपणम्	4747	****	ee १
मोक्षार्थपूर्णाहुतिप्रकारनिरूपणम्			100
ब्रह्मसमापत्तिहोमप्रकारः	= 0 0 b	****	100
सृष्टिकमेण सपादिताना तरवाना हिए	यदेहे योजनम्	****	100
विहमध्यस्थस्य मगवतो मन्त्रमृतेरर्चन	म्		100
समयोपदेश.	****	***	१७९-१८0
विष्णुहस्तप्रदानपूर्वक शिष्यस्य मन्त्रह	द्यागाधुपदेशः		1<1
कुम्मस्यदेवार्चनम्	***	****	1<1
गुरो: पूजनम्	****		121
दीक्षान्ते वैष्णवाना भोजनादिना सन्त	र्पणस्य कर्तन्यता	****	१८२
राज्यतिबाहने विशेषनियमः	****	****	123
त्रिस्थानस्थितस्य मगवतो विसर्जनं वि	वेष्वक्सेनपूजन च	1001	१८२
अवमृथ-सोनपानप्रकारनिरूपणम्	0 4 47 2	4149	121-525
गुरुयागः	-0.00		\$ < 8
गुरुशिष्ययोदींक्षाविधानफलम्	PD 08	****	\$ < 8
प	टलः (१७)		
शिष्यभेदनि रूपणस्	****	***	128-126
समयश्रलक्षणम्			\$ < 8
पुत्रकलक्षणम्	***1	***	1 < 9

[05]

[4.0	, T		
विषया			पत्रसङ्ख्या
साधकलक्षणम्		***	19-150
आचार्य ेक्षणम्	***	3	<9-1<<
पटलः ((3)		
अभिषेक्षविधिः	1400	(<<- 199
अमिषेकेऽधिकारः		****	266
अभियेक्तुराचार्यस्य बाबणजातीयस्य सर्वेषामधि	मेचेकविधाने. -	ऽधिकारः	? < 9
ब्राग्नणाद्यमावे स्वस्वात्ररवर्णानामाभिपेकविधाने ध	तत्रियादी नाग	निधकारः	१८९
उत्तमक्पीस्याविदुष उपायेन संबोधप्रापणम्	4	• • •	१८९
प्राप्तसबोधस्य तस्य विनाऽनुप्रहबुद्धश सकलि	त्याधानपू र्वव	कालेन	
कृतकृत्यतापाद्नम्		***	168
सञातीयस्यापि गुरोरलामे खस्य स्नेनैवाभिषेका	त्य कर्तञ्यत	ST .	168
सित गुरौ स्वेनैव कर्तव्यतायाः प्रतिषेधः	** *	****	190
उत्तमवर्णस्य दीक्षाविधानेऽत्ररवर्णस्यानधिकारः	****		190
समयञ्जाभियेकविधानप्रकारः	****		१९०
पुत्रकस्याभिपेकविधानप्रकारः	444	104	190
साधकामिवेकप्रकारः	****	+=++	190
आ चार्याभिवेचनम्	****		121
समयश्चादीना चतुर्णामियेके भावनीयः पर्वमेद	* 1040		181
आचार्याभिषेकप्रयोगः	4000	7.0	599-15
साचार्यपदासाधारणा विशेषसमयाः	400		198
आचार्यपादोदकप्राशनस्य कर्तव्यता	***	** 1	189
पुत्रकस्याभिपेके देयावेशेषः	****		189
समयब्रस्याभियेके देयविशेषः	****	****	199
समिषेकस्य श्रेयः प्रमृत्यनेकफळसाधनता	****	P###	१९५
पटलः (१	(9)		
अभिषिक्तस्य मन्त्राराधनविधानम्		** 1	198
मर्न्जासदौ वःसरत्रय याबद्वित्रप्राप्तिः		****	१९६
विद्रीरनुपहतस्य चतुर्थादिवत्सरे बहुशिष्योपसेव्यत	।दिलक्षणश		896
सप्तमादारम्य राजोपसेन्यता	4444		190
			1 10

[<]

L 1.	- 3		
विषया:			पत्रसङ्ख्या
दशमादारम्य नानाश्चर्यदर्शनम्	1441	****	१९७
मन्त्रसिद्धेरप्रकाइयता		***	१९८
पटला (40)		•
मतिष्ठाविधिः	****	او	< २२९
पटे बिंबविधानम्	****	** *	१९९
पटमानादि	***	•	१९९
पटस्य चित्रकारस्य च सस्कारः	4001	**1	१९९
गृहार्चामानम्	* * *		१९९
गृहादन्यत्र मानाधिक्यम्		*=	१९०
गृहाचींसु लेख्यबिबस्य हस्ताधिकमानलेऽप्यदोध	वता		१९९
बिबस्यावयवमानावेधानम्	,	१९	9-708
बिम्बद्रव्य विधानम्	1441	** 4	808
सिद्धयभिकाक्षिणा गृहे शैलजादिप्रतिषेधः	**		२०३
पीठमानम्	* = *	4.0	308
पोठे द्वैविष्यम्	****	4 4+	₹०8
चतुरस्रपीठलक्षणम्			२०४
चतुरस्रायतपीठलक्षणम्	****		208
चलाचीयाः पीठमानस्	****		२०४
उ पपीठलक्षणम्	***	****	₹ • 8
बिम्बपीठयोः सजातीयविजातीयद्रव्यविकस्पः	** *	***	309
प्रासादपीठमानम्		****	२०१
प्रासादपीठलक्षणम्	***	****	२०१
प्रासादे मेदाः	4000	***	308
प्रासादपीठरचनाविधानम्	****	**	₹ 0 ₹
प्रासादजङ्गा	****	****	२०६
अङ्गोर्ध्वरचना	**		२०१
भूमिकाएखकविधानम्	41.04	****	308
अमलसारकविधानम्	****	****	२०७
चक्रविदानम्	664		२०८
प्रासादद्वारविधानम्	****	*104	204

विषयाः	-		पत्रसङ्ख्या
द्वाराख्ने मण्डपविधानम्	****	e 4+ »	305
प्रतिष्ठाकालः	FP4	#==	300
आधिवासमण्डपाविधानम्		4494	२०९
मण्डपमध्ये वेदिपञ्चककस्पना		44*	२०९
पञ्चानां बेदीना विनियोगभेदः		4 *4	२०९
प्रतिष्ठाविधानोपक्रमः			२०९
दिा ह्यिदोषविनाशार्यस्नपनाविधानम्	4	****	210
अधिवासस्नपनार्थकलशस्थापनाविधानम्	****	** *	211
नेत्रो न्मीलनाविधानम्	****		2 8 8
नेत्रोन्मीलनाङ्गभूतल्घुखपनम्	** *	**	118
अधिवास ज पनिवधानम्	•••	***	235
खपनकल्होचु पूरणीयद्रव्याणि	***	**	785
बिम्बे मन्त्रन्यासविधानम्	****	****	789
सक्लीकरणादिविधानम्	****		2 8 2
कार्णिकास्थितैः कलशैः स्रपनम्		*	212
अर्ध्यसमप्राप्रमृतिविज्ञापनान्तमभ्यर्चनम्			२१३
विम्बसहिते पीठे समस्ताध्वमयस्वभावनम्		***1	283
पीठे आधारशत्त्रयादिध्यानम्	***	****	212
पीठस्याच्छादनम्	1444	****	212
नीराजनम्	***	4484	212
रययात्राविधानम्	****	****	9 ? 3
रायनाधिषासनम्	400	61 9	2 2 3
क्रपननेत्रोत्मीलनादिक्रियाङ्ग मृतहोमविघानम्		4.4	218
शान्युदकेन विम्बशिरसि प्रोक्षणम्			२१४
कर्ममन्त्राणां जपो बलिदान च		* * *	२१४
चतुर्दिश्च होमः	***	***	२१४
च्याना विवासन म्	•••	****	719
ई श्वरसम्बानम्	***	२	9-918
राब्दानुसन्धानम्		***	२१६
मन्त्रसन्धानम्	****	9000	719
		-	-

	L.	•)		
विषय				पत्रसहस्या
मन्त्रन्यासपूर्वकमभ्यर्चनम्		2004	• • •	311
पूर्वादिषु चतुर्प दिक्षु पश्चिमार	ामिमुख म वस्थि	ते: त्राद्मणै: ऋमा	हगादिपठनम् २	१८-२१९
आप्ताद्यनुयायिभिः सह ईशा	देविदिश्च स्थित	र्यत्यादिभिरेकाय	नीयशाखा-	
मन्त्राणा पठनीयता		****		719
प्रागादिषु चतुर्घ दिक्षु गुर्वाद	ोना स्थितिः	****	****	286
स्तोत्रपाठकाना बहिः स्थितिः		decta.	****	218
तस्वसर्गोधनादि	* *		****	220
शान्युदकप्रोक्षणम्	****	* * *		220
सान्निध्यप्रार्थनम्	**	*	****	240
उ त्यापनसमुखीकरणादि	****		***	330
ट्यमोगविधानेन यजनस्य कर	तेञ्यता		9 to 4 H	990
बहिस्थस्य पूजनम्	*			२२०
शान्तिहोमविधानम्	***		2000	220
लग्नकालप्रतीक्षायां कालापनोद	नकमः	**	1444	770
व्रहाशिलास्यापनविधानम्	****	****	२३	27-778
रत्नादिन्यासः	*#**	***	24	777
बद्धाशिलोपरि पीठन्यासविधिः		****	***	223
मगवतः प्रबोधनम्				२२३
देवस्य प्रासादे प्रवेशनम्	****	***	****	228
पीठे देवस्य स्थापनम्	1001	****		875
विज्ञापनम्	****	***	444	२२४
तत्त्वसंस्यापनम्	****	***		२२४
विम्बस्य मन्त्रमयवृक्षत्वेन भाव				229
प्रतिष्ठानन्तर अपनस्य चतुःस्य	ानार्चनस्य च	कर्तन्यतः	4007	२२५
सुप्रतिष्ठिततामिशसनम्		,	****	२२५
स्तुतिजयोद्घोषः		**		२२५
बाछिदानम्	4000	200		२२१
न्यूनाधिकशान्यर्यपूर्णाद्वृतिः	***	****	****	२२ १
फल्ध्रुतिः		8404	****	२२६
प्रतिष्ठाकर्मणि प्रवृत्ताना पूजनग	म्	****		256
				•

[77]

विषया.	L 11	1		पत्रसङ्ख्या
रात्रौ जागरणस्य कर्तञ्यता	4014	404+		२२६
प्रतिष्ठादिनादारभ्य दिनचतुष्टय	यावद्योगस्य कर्त	ब्यना	***	२२ ६
प्रतिष्ठादिनाचतुर्थे दिने स्नपन	वेघानम्	****	***	२२७
विध्वक्सेनपुजनम्	4.0	9901	-444	२२७
शिष्टद्रव्यविनियोगप्रकारः		****		770
अ दभृथः		***	****	770
चित्रप्रतिष्ठाया विशेषः	***	9444	4 *1	270
तत्र रत्नन्यासप्रतिषेषः	**	abul de a	.24	270
धातुजादिषु तद्विधानम्		es t	****	२२७
जीर्णविम्बस्याभ्यचेनप्रतिपेघः	****	,		२२७
घातुद्रज्योद्भवादन्यस्य मग्नविम्ब	स्य जलाराये प्रक्षे	रपविधानम्	****	334
पीठविम्बयोर्भहे क्षते वा कर्तव	यस्य निरूपणम्		***	398
अविद्वाते बीजन्यासे प्रणवेन वि	वेधानम्	*4*	**	22<
देशमङ्गाद्यग्रदवेऽवधानेन सरक्ष			****	१२९
महोत्सवस्य कर्तव्यताविधानम्				१२९
	पटलः (२	2.1.		(,,)
पवित्रविधिः	10/31 ()	· \ /*		230 200
पवित्रारोपणकास्त्रविधानम्		***	1	₹7 ९ —₹४७
सूत्रादीनामधिवासकाछः	4181	****		२३०
	0444	****	*	440
सूत्राणा कैशियत्वादिविकल्पः	6444			२ ३०
पवित्रनिर्माणप्रकारः	***	****	On d	२ ३०
मण्डछे प्रतिमन्त्रं समर्पणीयपनि		***1	****	330
पवित्राणा व्यासमानदैर्ध्यादि	***	dramin on		778
पवित्रप्रन्थीना रक्षनादिविधानम्	4600	****		१३१
विम्बस्य शिरःप्रमृत्यवयवमानभेर	रेन पवित्राणामाकु	तिभेदमानभेदविधि	7:	231
20				
पीठपवित्रप्रमाणविचि:	****	****		२३१
प्रातसराणा व्यासनियमः	h101	****		
		****	****	3 5 6
प्रतिसराणा व्यासनियमः	• • •	**************************************	1881	

[77]

विषया:	L ***	,		पशस्त्रचा
पृष्टिकारिवासः				,
**	4044	***		656-658
नियाचेनपूर्वकचतुःस्यानाचेनम्		1000		२३४
कञ्शस्थस्य पवित्रसमारोपणप्रव		***	***	448
मण्डलस्यस्य पवित्रारोपणप्रकार	*	****		२३५
अग्निस्थविम्बस्ययोः क्रमात्पवित्रा	रोपणम्	**		२३५
भाग्निस्थस्य समर्पणे विशेषः	****	****		225
महामन्त्रजपस्य कर्तव्यता	,	**	****	779
विज्ञापनम्		1045	8.6	239
गुरुपूजनम् ***	Per I	4540		738
पवित्रोत्सवान्ते यत्यादिभ्यः कृत	स्य दानस्य फर्गा	धेक् यम्	4	२३६
वैष्णवमात्रस्य पूज्यता	****	***	****	२३७
बैष्णवालिङ्गधारिमात्रस्य पुज्यता	***	,	***	230
आरोपिताना पवित्राणां यावदपन		म्हलादौ स्थाप्यता	***	234
पवित्रविसर्जनप्रकारः	heda	****		588
पवित्रशब्दनिर्वचनम्	****	****		236
पवित्रकर्मविधानानन्तर पालनीय	गः विशेषनियमा	** **		२३९
पवित्रमहामन्त्रः	****	9994	1001	238-280
प् वित्रमहा मन्त्रप्रशंसा	****	***	100	280
	पटलः (२	(7)		
वैष्णवाचारलक्षणम्				2010 24 V
भागवतधर्मैकनिष्ठानां साम्येऽपि	and arms	1.4	***	280-348
	। पशन्य कारणम्	1864		780
यतीना छक्षणम्		****	4004	585
एकान्तिना छक्षणम्	ē=a	****	****	585
वैखानसामा छक्षणम्	**	4544	** *	585
कर्मसाखतस्य छक्षणम्	**	400	***	285
शिखिनो ब्धाणम्	4444		***	286
वैखानसादिभ्यो वैष्णवेभ्यो मर	वित्यूजनशेष <i>भूतर्वृ</i>	तेप्रदानां फलविशे	प:	२४९
गृहस्थेभ्यो वैष्णवेभ्यो प्रामादिः	दाने फलम्			289
ब्राह्मणादन्यतो वृत्तिप्रहण प्रतिषे	षः	** *	****	₹8€

[२३]

विवया-		_		पत्रसङ्ख्य
आत ङक्षणम्	4 >	****	***	286-500
अना प्तलक्षणम्	****	***	****	२५०
धारिम लक्षणम्	20-0-0	# M h	****	790
अञ्जलिकारिलक्षणम्		****		290
सप्रवर्तिलक्षणम्	***		***	२९०
योगिलक्षणम्	***		h-00	990
जपनिष्ठाना छक्षणम्	****		****	२५१
तामसङ्क्षणम्	****	***	***	248
राम्ब्रब्द्धणम्		A series	****	२५१
राम्ब्रधारकलक्षणम्	***	**	•••	393
उक्तलक्षणलक्षितामां पागपूजार	हत्वम्		****	393
पश्रकालमेदः	****	6001	4000	398
पश्चकाञ्चर्तव्यक्समेदः	(889		****	794
	पटलः (२३ }		
श्राद्धविषिः	**	***	****	२९४–२६₹
दीक्षितैरपि श्राद्धस्यावश्य कर्तव	यती	1044		348
धर्मेषु श्राद्धस्य श्रष्टचम्	****	***	***	२९४
श्राद्धनिमित्तभू तकालादिविशेषः		****	***	२ ९९
श्राद्धविधानप्रकारः	****	***		299
आमन्त्रिताना वैष्णवानामासन	परिकस्पनप्रकारः		****	299
गुरुवर्गे पितृवर्गे मातृवर्गे च	स्थापनप्रकारः		100 2	२५५
पित्रादौ जीवति पितामहादीना	नियोज्यता	****	****	२ ५ ६
वैष्णवानाम्हामे सङ्कोचविधिः		* **		₹9€
पित्रादिस्थाने वृताना देहन्यास	विधि:			२५६
तेषा भ्यानप्रकारः		****	9.006	२ ९ ६
वितृष्यः पाद्यार्ध्यदानप्रकारः		*	***	२9६
खर्ष्यसस्रावस्य पितृपात्रेण प्रह	्णम्	448		२११
पितृणा विष्णुरूपाणा ध्यानप्र		***	****	798
यन्त्रेशसन्त्रिधावम्यर्थनम्		***	****	२५७
चेरुसाधनप्रकारः		****	••••	240

[68]

विषया			पश्चसुवः
साधितेन भक्ष्यभोज्यादिना देवस्य यजनम्	** *		559
<u> </u>	***	** *	291
पितृम्यः पिण्डदानविधानम्			396
पितृणामनसाविमजनप्रकारः	- # -	**	596
मुखानेषु पितृषु जपध्यानविधिः	****		२९९
मोजनान्ते दक्षिणादानम्	***	***	799
शेपानसविभजनम्			799
प्रेतश्राद्धविधाने प्रथमेऽहित कर्तव्यविधिः	,	***	399-781
द्वितीयदिनादारभ्य याबदशमदिन कर्तव्यविधिः			135
एकादशेऽहनि कर्तव्यश्राद्धविधिः		h + 0	२६१-२६२
प्रेतत्त्रानित्रर्तकमाव्दिकश्राद्धम्	• •	***	983-789
पैतामहान्नरोपस्य जायायै प्रदानम्			789
राषाशसविमजनम्	***		789
पितृणा विसर्जनप्रकारः	***		284
नेत्रावमार्जनम्	****		२६५
गुर्वादिश्राद्धस्य समयज्ञादिभिः कर्तव्यता	4540	44.0	२६६
श्राद्वावुष्टानप्रशसा			२६९
	(24)		
पटलः ((40)		
मेतसं स्कारः	****	****	२६१–२७५
रावस्य स्नपनादि	****		२६७
शवस्य संस्कारस्थाननयनम्	****	40/*	२६७
संस्कारस्यानसमीकरणम्	****	Spic	२६७
तदीयमैक्षपात्राचुपक्षरणाना तच्छवेन सह नय	नम्		२६७
तत्र वर्ज्यद्रव्यणि	****		२१७
प्रेतसंस्कारोपकरणद्रव्याणामप्रतो नयनम्	****	00.51	२६७
गुरुणाऽऽप्ययक्रमेण स्वाङ्के मन्त्रन्यासस्य कर्तन	यता	***	२६८
मृतेनानुष्ठितेन मन्त्रेण पूजनस्य कर्तव्यता	• • • •		२६८
तदपरिज्ञाने नार्रासंहेण मन्त्रेण पूजनस्य कर्त	व्यता	***	२६८
कुम्मस्यापनसत्यूजनविधिः	94+	***	२६८

विषया	F		पनसङ्ख्या
स्थण्डिले पूजनविधानम्			789
कुप्टे हवनविधानम्			११९
शवस्य प्रोक्षणादिसस्कारः	B0=+	8444	700
भाह्यतपूर्वक जीवस्य शवशरीरे योजनम			700
जीवाह्नानमन्त्रः	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	****	700
तस्य जीवस्य परे तन्त्वे सयोजनप्रकारः	***		300
चिताकस्पनप्रकारः	• • •	***	700
सर्वस्य पूजाद्रव्यस्य कुण्डे होमः	****	1044	201
श्वस्य चितायामारोपणम्	****	***	308
योगपट्टादीना शवस्य कण्ठादिस्थानविशे	चे क्यांग्रह्मक	****	201
चिताप्रज्वालनं पूर्णाहुतिश्च	in taland	**	•
चिताभ्रमणपूर्वकमस्त्रकछशस्य वियति ।	क्ष्रीमामनिद्धिः	**	300
स्तानविधिः	મહામુજાામાં ખ.	***	909
	****	****	२७२
गुर्वादिभिः कर्तव्यजपनिषिः	4044		२७२
नक्तं भगवतो यजनस्य कर्तव्यता	***	****	707
अस्थिसञ्जयनम्	** *	****	१७२
शनसंस्कारस्यावस्यकर्तञ्यता	***	News	303
यतिधर्माश्रयाणा प्रेतसंस्कारे विशेषः	-4+4		२ ७३
परोक्षमृताना सस्कारप्रकारः	** -	२७	3-309
पटर	हः (२५)		
मायश्चित्ताविधिः	如食物藥	₹	9-266
सन्ध्याछोपे प्रायश्चित्तम्	****	***	909
प्रमादादशुचिससृष्टाञ्चमक्षणे अन्यस्त्रीगम	ने च प्रायश्चित्तम्	***	₹ ७€
तत्र क्षत्रियादींना विशेष:	****	****	२७६
प्रायश्चित्ताङ्गभूतपञ्चगव्यविधानम्	# # P +	****	२७६
कामतो बाक्षणवधे प्रायश्वित्तम्	= 4 = 5	***	₹७७
सुरापानप्रायिक्तम्	9444	***	300
स्वर्णस्तेयादौ प्रायश्चित्तम्	0002	***	२७७
गुरुपलीगमने प्रायश्चित्तम्	****	****	२७७

[२१]

विषयाः			पत्रसङ्ख या
रजस्कलास्पृष्टान्नमक्षणे प्रायिकतम्	4.0		966
छिन्नमृतिये विनिवेदितान्नस्य मक्षणे प्रायश्चित्तम्		***	301
आशौचाम्र मक्षणे प्रायश्चित्तम्		***	306
प्तिताद्यसभक्षणे वायश्चित्तम्	4	****	305
सीमन्तादिसस्कारासमक्षणे प्रायश्चित्तम्		***	२७८
सद्यःश्राद्वान्त्रमक्षणे प्रायश्चित्तम्		****	306
सच्छूदानभक्षणे प्रायश्चित्तम्	****	***	708
आरामादै। भोजने प्रायश्विसम्		***	308
नैष्ठिकादास्रभक्षणे प्रायश्चित्तम्	****	•••	२७९
मधुमासयोर्दरीने प्रायश्चित्तम्	****	****	208
नियमाराज्यवे प्रायश्चित्तम्			909
ज्ञानप्रातेरन्यत्र नृखगीतादिकरणे प्रायश्चित्तम्	**		२७९
सृतकादी पूजास्वीकारे प्रायश्चित्तम्	4444	****	2<0
उचाटनादिकरणे प्रायश्वित्तम्	14.4	145	२८०
चैद्यादिषु देवप्रतिष्ठाकरणे प्रापिश्वतम्		***	२८.
पृहादिप्रतिम्रहे प्रायिक्तम्		****	2<0
क्षीरादिप्रतिप्रदे प्रायिश्वसम्	****	p##4	340
रानादिप्रतिप्रहे प्रायश्चित्तम्		***	₹<₹
ग्वादिप्रतिप्रहे प्रायश्वित्तम्	1844	***	3<8
शास्यादिप्रतिप्रहे प्रायश्चित्तम्	****		₹८१
भूदानप्रतिब्रहे प्रायिसम्	****	4.1	3<1
पायसङ्करे प्रायश्चित्तम्	***		2<1
काम्रादिहरणे प्रायश्वित्तम्		***	3<1
शास्त्रादिहरणे प्रायिशत्तम्			222
गुरुदारादिनिन्दने प्रायश्चित्तम्	•••		२८ २
प्राणिघाते प्रायिश्वसम्			2<2
श्वश्गालादिदंशे प्रायक्षित्तम्	1001	•••	2/2
असत्प्रतिप्रहे प्रायिश्चम्			7/2
श्वपाकादिसर्शे प्रायश्वित्तम्	444	****	7/7
वैष्णवादिनिन्दादी प्रायश्चित्तम्		***	? </td
*		4 4 1 4	101

[20]

*	-		
विषयाः			पत्रस ङ्गरा
अपशकुने प्रायश्चित्तम्		****	₹ < ₹
अरिष्टचिन्तनादौ प्रायिश्वत्तम्	****		7 < 3
रेतःसन्दने प्रायश्वित्तम्			₹ < ₹
गर्भपाते प्रायश्चित्तम्		****	7 < 3
धेनुवधे प्रायश्चित्तम्	****	+1	२८३
वृक्षच्छेदे प्रायश्चित्तम्	***		3 <3
गुरोः खेदाबहवादाचाचरणे प्रायश्चित्तम्	***	***	2 < 1
देवाळयादौ मूत्रोत्सर्गादिकरणे प्रायश्चित्तम्	****	***	2<3
वैष्णवारामतः क्रीडार्यं फलपुष्पादिहरणे प्रायश्चि	त्तम्	** *	₹<8
नग्नीभूय स्नाने प्रायिश्वत्तम्	**	***	2 < 8
बृद्धगुर्वपचारे प्रायश्वित्तम्	1000	****	5<8
दुष्टेन मनसा गुरुभार्यासुतयोर्दर्शने प्रायश्वित्तम्			2<8
स्त्रीराद्रादिनथे प्रायिक्तम्	****		3 < 8
आल्ये चण्डालप्रवेशे प्रायक्षित्तम्	****		8 > 9
रजकादीनां गृहे प्रवेशे प्रायश्वित्तम्	****	***	8 > 8
नियतानुष्ठानस्य विष्णुमयस्य सिद्धस्य सद्यःशुद्धय	ादेविशेपकथनम्	** *	5<8
श्रासणादीनां सूतकमृतकयोर्जपाद्यनुष्ठानानईता	****	5001	3 < 9
उच्छिष्टसङ्करे प्रायश्चितम्	***	****	2<9
भदीक्षितावछोकने प्रायश्चित्तम्	***		7 < 9
गुरुदेवनाम्ना शपथाचरणे प्रायक्षित्तम्	***	***	9 < 9
सङ्करे प्रायिश्वसम्			2 < 9
स्तेयादौ प्रायश्चित्तम्			9<9
मन्त्राधारभूताचींपघातदोषशान्त्यर्थप्रायश्चित्तम्	***	1000	769-466
पटलः (३	₹).		
मूलमन्त्रसाधनम्			२८८-१९८
मन्त्रसावने देशवैछक्षण्यादिनियमः	***	****	7 < 9
म्लमन्त्रस्य भूतोपशमनादौ विनियोगप्रकारः	***		218
विषप्रशामनप्रकार.		****	790
वशीकरणप्रकारः	***	****	790

[36]

. 1	٠,		
विषया:	-		वजसङ्ख्या
उच्चाटनप्रकारः	1488	** *	799
विद्वेषणविधानम्	***4	** *	781
आ कर्षणम्		****	398
मारणम्			999
स्तम्मनम्	***	****	797
पुष्टिविधानम्	****		797
शान्सिकविधानम्	****	****	999
तुष्टिविधानम्	****		२९२
वैखरीसिंदिः	1000	***	२९३
खङ्गसावनम्	****	****	757
अजना दिसाधनम्	P#1	4.0	२९३
गुलिकासाधनम्			२९३
रसायनादिसाधनम्	***		२९.४
यक्षिणीसाधनम्			468
परसैनिक्प्रणाशनम्	4145	**	799
दिव्याना स्तम्भनम्			799
उत्पत्रिश्समन्	1666	****	198
विषशस्त्रादिमयप्रशसनन	45.00	****	
चेक्रयन्त्रसाधनम्	1000	***	300
राङ्कयन्त्रसाधनम्	**	***	२९६
तिथिनक्षत्रविशेषात्मलमेदः	****	****	न्द्
आहुतिद्रव्यमेदादाहुतिसङ्ख्यामेदाश्च फलमेटः	* **	****	790
मन्त्रराजस्य महिमा	***		760
व ग्राज्य ग्रह्मा	**	****	991
पटलः (२७).		
शक्तिभन्त्रसाधनम्	****	२९	9-389
जक्ष्म्यादिषु अनन्तादासनस्य द्वारयागादेश्व साध	गरण्यम्	****	799
ल्क्ष्म्यादियागादन्यत्र विष्वक्सेनपूजनप्रतिषेवः			799
सिद्धिपरायणैः क्रियमाणे तत्तन्मन्त्रपूजने औपच	ारिकमन्त्रान्विनैवो-		1 . 1
पचारस्य कर्तब्यता	ofte		799
जपस्त्रे विशेषः	1914	****	799
		3404	122

[२९]

	[, ,]		
विषयाः			पनसङ्ख्या
घूपघण्टादीनां साधारण्यम्	****	****	799
ठक्ष्या अङ्गमन्त्रः		** *	100
टक्ष्याः सखीमन्त्र:	1001		300
छक्ष्म्या अनुचरमन्त्रः	****		800
मण्डलम्	4#44	****	200
न्यासः			300
७ क्ष्या मानसयागः	eneral .	****	908
बाह्ययागार्यो मण्डले विन्यासः		****	808
जपहोमादिविधिः		****	808
उद्भीमन्त्रसिद्धिजं सामर्थ्यम्	***	****	303
कीर्तिमन्त्रसाधनश्रकारः		• 1	208-209
कीर्तिमन्त्रसिद्धिज सामर्थ्यम्	***		209
जयामन्त्रसाधनप्रकारः	****		₹08-₹06
जयामन्त्रसिद्धिज सामध्यम्			306
मायामन्त्रसाधनप्रकारः		*4**	209-273
महायो नि मुद्रा	***	****	388
-	,	**	
अनुचरमुद्रा मायामन्त्रासिहिज सामर्थ्यम्	410		4 ? ?
नापान-त्राताद्वज तानच्यम्		*4**	465
	परसः (२८).		
अङ्गमन्त्रसाधनम्	0004	****	116-110
त्भन्त्रसाधनप्रकारः ०->	****		586
शिरोमन्त्रसाधनप्रकारः	9004	0.0	110
शिखामन्त्रसाधनम्	4100	****	448
कवचमन्त्रसाधनम् नेत्रमन्त्रसाधनम्	844	****	390
अस्त्रमन्त्रसाधनम् -			454
all del difference	पटलः (२९).	****	₹ ₹5
वक्रमन्त्रसाधनमकारः	450. (47).		220 29.
नृसिंहवक्रमन्त्रसाधनम्	* * *	***	390-380
	**		390-339
कपिलमन्त्रसाधनम्	4271		331-339
वराह्मन्त्रसाधनम्	4 0 0 0	****	334-380

विषया:			पत्रसङ्ख्या
	ाटलः (३०).		
परिकरमन्त्रसाधनम्	****	****	181-186
कौस्तुममन्त्रसाधनम्	****	****	188
मालामन्त्रसाधनम्	****	****	285
कमञ्जनाधनम्	****	•	₹8\$
राङ्कमन्त्रसावनम्	9051		588
चक्रमन्त्रसाधनम्	49.59	***	₹88
गदाभन्त्रसाधनम्	****	0+	188
गरुडमन्त्रसाधनम्	redu	****	₹8€
पारामन्त्रसाधनम्	****		₹80
अङ्गुदामन्त्रसाधनम्	****	***	₹8<
	ग्टलः (३१).		
उपाङ्गसाधनम्	2000	**	288-243
सत्यमन्त्रसाधनम्	****		788
गृगी मुद्रा	##⊕	****	390
वासुदेवमन्त्रसाधनम्	2084		290
सङ्क्षणमन्त्रसाधनम्	***	****	290
प्रवुम्नमन्त्रसाधनम्	****	****	398
अनिरुद्धमन्त्रसाधनम्	4484	****	298
सप्ताक्षरमन्त्रसाचनम्		****	898
	ब्रह्स (३२) .		
विद्रेशमन्त्रसाधनम्		****	197-198
वागीश्वरीमन्त्रसाधनम्			298-298
वागीन्वरीयन्त्रसाधनम्	E00F		396
7	ाटलः (३३).		
योगविधानम्	* *	****	३ 9 ९ - ३ १ ४
देहपातकाळाभिज्ञानिक्जानुकीर्तनम्			988
संहिताया महिमानुवर्णनम्	****	****	489